Volume 7, Issue 05, September 2020

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Vrindavana Yatra (30th July -12th august) (ISKCON, Dwarka)

Even in the midst of troubling times, a Vaishnava is always keen to spread the glories of the lord. Due to the pandemic, nobody can travel except for essential services. ISKCON Dwarka organized a virtual trip which involved hearing about the 12 forests of Vrindavana where Krishna spent His childhood and where He killed many demons. The speaker for the program was H.G. Prashant Mukund Prabhu. Many devotees turned on the ISKCON Dwarka YouTube channel to be a part of this yatra and hear the glories of Vrindavana.

Balarama Purnima (3rd August) (ISKCON, East of Kailash)

The seventh son of Devaki is Lord Balarama. Balarama is the first expansion of the Lord, the Adiguru who serves the Lord. The Mundaka Upanishad proclaim 'Nayam atma balhinena labhyo', self- realisation cannot be achieved without the mercy of Lord Balarama. He takes on the charge of creation

समाचार

वृंदावन यात्रा (30 जुलाई–12 अगस्त) (इस्कॉन, द्वारका)

कष्टकारी समय के बीच भी, एक वैष्णव सदा भगवत महिमा का प्रसार करने हेतु उत्सुक होता है। महामारी के कारण, आवश्यक सेवादाताओं को छोड़कर कोई भी यात्रा नहीं कर सकता। ऐसे में इस्कॉन द्वारका ने एक आभासी यात्रा का आयोजन किया, जिसमें वृंदावन के उन द्वादश वनों के विषय में बताया गया जहाँ श्रीकृष्ण ने अपना बालपन बिताया और जहाँ उन्होंने कई राक्षसों का वध किया। कार्यक्रम के वक्ता श्रीमान प्रशांत मुकुंद प्रभु थे। इस यात्रा का हिस्सा बनने हेतु कई भक्तों ने इस्कॉन द्वारका यूट्यूब चौनल लगाया और वृंदावन धाम की महिमा को सुना।

बलराम पूर्णिमा (3 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान बलराम देवकी के सातवें पुत्र हैं। आदिगुरु भगवान बलराम जी भगवान का प्रथम विस्तार हैं, जो प्रभु की सेवा करते हैं। मुंडकोपनिषद ने नायम् आत्म बलहीनेन लभ्यो, अर्थात 'भगवान बलराम की दया के बिना आत्म–साक्षात्कार प्राप्त नहीं किया जा सकता,' 'का

and embodies service attitude to the Lord, accompanying Him in many incarnations. Providing spiritual strength to devotees Balarama is the shelter of those who seek to serve the Lord. His mercy and favourable glance is a prerequisite to spiritual advancement. Lord Balarama's appearance is celebrated on the Purnima of the month of Shravana. Due to restriction on congregation of devotees, this year Balarama Purnima was celebrated with abhishek, kirtan and feast by a smaller crowd of resident devotees. Others witnessed the ceremonies online, praying at the lotus feet of mighty Balarama for protection, spiritual strength and His compassion.

Special Balaram Katha (1st, 2nd Aug)

ISKCON Punjabi Bagh organized a special seminar on Balarama's tattva and pastimes by H.G. Gauranga Prabhu. H.G. Gauranga prabhu gave a wonderful explanation of Balarama-tattva from Chaitanya Charitamrita and also discussed various childhood and other pastimes of Lord Balarama, who is the first expansion of Krishna. The seminar marked the beginning of festival season which includes several festivals like Jhulana-yatra & Balarama Jayanti, Janmashtami, Srila Prabhupada Appearance Day and Radhashtami.

Second month of Caturmasya (4th August)

The second month of Caturmasya and fasting from curd began from 4th August.

Drowning in the transcendental Ocean of Bliss

(7th Aug - 12th Aug)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh organized a special seminar – Krishna Smaranam – in the week leading up to the most awaited day of the year for devotees, Sri Krishna Janmashtami 2020. The seminar was very special with many exalted devotees such as H.G. Bhakti Ashraya Vaishnav Swami Maharaj, H.G. Sarvabhauma Prabhu, H.G. Mohan Rupa Prabhu, H.G. Amarendra Prabhu, H.G. Gauranga Darshan Prabhu, H.G. Rukmini Krishna Prabhu and many more. The speakers discussed different nectarean pastimes of Krishna, giving a chance to all devotees to totally absorb themselves in Krishna-lila to prepare their consciousness and hearts for Krishna's appearance. Even as temple doors stayed closed on Janmashtami, but through the online Krishna-katha, the devotees experienced similar bliss by seeing Krishna through their ears this time, apart from online darshans.

Lecture series by H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja

(7th -12th Aug)
(ISKCON, Dwarka)

Krishna is pleased to hear his pastimes from His beloved devotees. The Janmashtami celebration started with an online lecture series by H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja. Maharaja showered the nectarian mercy of Krishna katha on the devotees.

उद्घोष किया है। वे सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं एवं कई अवतारों में प्रकट हो भगवान का साथ देते हुए उनके प्रति सेवा का भाव रखते हैं। भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करने वाले बलराम जी, भगवान की सेवा करने वालों का आश्रय हैं। उनकी दया एवं कृपा–दृष्टि आध्यात्मिक उन्नति की पूर्वांछा है। भगवान बलराम का प्राकट्य श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस वर्ष भक्त मण्डली पर प्रतिबंध के कारण बलराम पूर्णिमा को निवासी भक्तों के एक छोटे समूह द्वारा अभिषेक, कीर्तन और भोज के साथ मनाया गया। दूसरों भक्तों ने आध्यात्मिक शक्ति, सुरक्षा एवं उनकी करुणा पाने हेतु बलराम जी के चरण कमलों में प्रार्थना करते हुए समारोहों को ऑनलाइन देखा।

विशेष बलराम कथा (1–2 अगस्त)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग ने श्रीमान गौरांग प्रभु द्वारा बलराम तत्त्व एवं उनकी लीलाओं पर आधारित एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया। श्रीमान गौरांग प्रभु ने चैतन्य चरितामृत से बलराम–तत्त्व की अद्भुत व्याख्या की और साथ ही भगवान बलराम जो कृष्ण का प्रथम विस्तार हैं, के बचपन एवं अन्य विभिन्न प्रसंगों पर भी चर्चा की। यह संगोष्ठी त्यौहारी समय की शुरुआत को चिन्हित करती है जिसमें झूलन–यात्रा, बलराम जयंती, जन्माष्टमी, श्रील प्रभुपाद प्राकट्य दिवस और राधाष्टमी जैसे कई त्यौहार शामिल हैं।

चतुर्मास्य का दूसरा महीना (4–अगस्त)

चतुर्मास्य का दूसरा महीना और दही से उपवास 4 अगस्त से शुरू हुआ।

आनंद के दिव्य सागर में गोते लगाना

(7 अगस्त – 12 अगस्त)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग के भक्तों ने वर्ष के सबसे बहु प्रतीक्षित दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी 2020 तक चलने वाले सप्ताह में एक विशेष संगोष्ठी – कृष्ण स्मरणम् का आयोजन किया। कई उन्नत भक्तों जैसे कि परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज जी, श्रीमान सार्वभौम प्रभु जी, श्रीमान मोहन रूप प्रभु, श्रीमान अमरेन्द्र प्रभु, श्रीमान गौरांग दर्शन प्रभु, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु एवं कई अन्य अनन्य भक्तों के संग यह बहुत ही विशिष्ट सेमिनार था। वक्ताओं ने कृष्ण की विभिन्न अमृतमयि लीलाओं पर प्रवचन दिया, जिससे सभी भक्तों को कृष्ण के प्राकट्य (जन्माष्टमी) हेतु अपने ह्रदय एवं चेतना को निर्मल करने एवं स्वयं को पूर्ण रूप से कृष्ण–लीला में अवशोषित करने का मौका मिला। यहां तक कि मंदिर के दरवाजे भी जन्माष्टमी पर बंद रहे, किन्तु ऑनलाइन कृष्ण–कथा के माध्यम से, भक्तों ने इस बार ऑनलाइन दर्शन के अलावा, कृष्ण को अपने कानों के माध्यम से श्रवण कर देखने के समान ही आनंद का अनुभव किया।

परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज जी द्वारा प्रवचन श्रृंखला (7–12 अगस्त)
(इस्कॉन, द्वारका)

कृष्ण अपने प्रेमी भक्तों द्वारा अपनी लीलाओं का श्रवण कर अति प्रसन्न होते हैं। जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज द्वारा एक ऑनलाइन प्रवचन श्रृंखला से हुई। महाराज श्री ने भक्तों पर कृष्ण कथा रूपी अमृतमयि कृपा की वर्षा की।

Sri Krishna Janmashtami (12th August)
(ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Lord declares in scriptures that He incarnates from time to time, in order to annihilate the miscreants and protect His servants. Along with protection He also performs His pastimes which attract devotees for thousands of years and inspires them to take to bhakti. His appearance and activities are both transcendental. Although He descends to this material world, but He never takes a material form. His form, qualities, name, activities are all transcendental and He continues to possess His six opulences at all times. Krishna appeared on the Ashtami of the month of Shravana. His appearance is celebrated in a grand way all across the world. This year due to Covid 19, there were restrictions on gathering and movement. However, this did not dampen the spirits of the devotees. Hundreds of devotees attended the Mangala-arati on the day of Janmashtami. This was followed by people visiting the temple throughout the day to receive the darshans of the Lord. There was continuous kirtan and chanting of the holy name. The entire event was covered by the media. Neither the safety protocols nor the fear of the virus was able to hold the faithful back from being part of the celebrations. Some visited the temple whereas the majority watched the rituals online, following the advice of the temple management.

Delhi Chief Minister Shri Arvind Kejriwal visited on the occasion of Janmashtami
(ISKCON, East of Kailash)

The Chief Minister of Delhi Shri Arvind Kejriwal accompanied by Shri Manish Sisodia, Deputy Chief Minister, visited the temple on the occasion of Janmashtami. They performed the abhishek of the deities and also met His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. Shri Aadesh Gupta, President of BJP, Delhi Pradesh, too arrived at the temple to seek the blessings of the Lord.

श्री कृष्ण जन्माष्टमी (12 अगस्त)
(इस्कॉन दिल्ली–एनसीआर के सभी मंदिर)

भगवान ने शास्त्रों में घोषणा की है कि वे समय–समय पर आतातायियों का विनाश करने और अपने भक्तों की रक्षा करने हेतु अवतरित होते हैं। भक्तों की सुरक्षा के साथ ही वे अपना लीला कार्य भी करते हैं जो हजारों वर्षों तक भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं और उन्हें भक्ति में लगने हेतु प्रेरित करती हैं। भगवान का प्राकट्य एवं उनकी लीलाएं दोनों ही दिव्य हैं। हालाँकि वे इस भौतिक जगत में अवतरित तो होते हैं परन्तु वह कभी भौतिक रूप नहीं लेते बल्कि उनका नाम, रूप, गुण, लीला आदि सभी दिव्य हैं और वह हर समय अपने षड–ऐश्वर्यों के संग ही रहते हैं। भाद्रपद मास की अष्टमी को कृष्ण प्रकट हुए थे। उनके प्राकट्य को पूरे विश्व में भव्य तरीके से मनाया जाता है। इस वर्ष कोविड–19 के कारण आने–जाने तथा इकट्ठे होने पर प्रतिबंध है। हालांकि, इससे भक्तों के भाव निरुत्साह नहीं हुए। जन्माष्टमी के दिन मंगला–आरती में सैकड़ों भक्त शामिल हुए। इसके बाद दिन भर भक्त लोग मंदिर में भगवान के दर्शनों हेतु आते रहे। पवित्र हरिनाम का निरंतर कीर्तन और जप चल रहा था। पूरा घटनाक्रम मीडिया द्वारा कवर किया गया। न तो वायरस का डर और न कोई सुरक्षा प्रोटोकॉल ही श्रद्धालुओं को उत्सव का हिस्सा बनने से पीछे रोकने में सक्षम था। कुछ भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए, जबकि अधिकतर श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन की सलाह का पालन करते हुए ऑनलाइन ही सारा अनुष्ठान देखा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान के दर्शन किए
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया के साथ, जन्माष्टमी के सुअवसर पर मंदिर आए। उन्होंने भगवान का अभिषेक किया और परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी से आशीर्वाद भी ग्रहण किया। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता भी भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर पहुंचे।

Special Deity Outfits on Janmashtami (12th Aug) (ISKCON, Punjabi Bagh)

One of the goals of deity clothing is to create an inspirational darshan experience for the congregation. Dressmakers and priests who conduct the deity dressing on the altar help evoke an appropriate mood in the temple that is enjoyed by the deity and the congregation. This year the most distinct feature of the mangala-arati dress is the use of genuine silk and 100% pure gold zari, 65% of silver and 0.65% of original gold. It took 2 months to complete whole dress in Mumbai. The kaarigar was called during the lock down from Gujarat especially for this kind of mirror work. The work used on the silk material is silver sequins zardozi along with unique mirror work which is famous in Gujarat.

Celebrating Janmashtami the new way in the new normal (ISKCON, Punjabi Bagh)

Krishna's childhood pastimes are a source of joy for everyone. Even in the most difficult situation, He always found a way to make the residents of Vrindavan smile. The Lord who has brought hope and happiness to His devotees in their difficult times could never have left them bored or sad on His birthday. So, to spread the joy and blessings of Sri Krishna Janmashtami among the devotees, a Digital celebration of the beloved festival was planned. The events were as follows:

a) Krishna Book Contest

169 people who participated in the LIVE competition from many cities all over India as well as outside.

b) Online Drama Contest

Various devotees from Bhakti Vriksha groups and the study groups presented a play on Krishna-lila of their choice spanning 20 to 25 minutes.

c) Vrindavan at Home

Srila Prabhupada said "All my temples are non-different from Vrindavan". Extending that spirit further, ISKCON Punjabi Bagh congregation decided to make each devotee home Vrindavan. Devotees decorated their home altars and adjoining areas and shared the photos on Telegram.

जन्माष्टमी पर भगवद–विग्रहों की विशेष पोषाक (12 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

विग्रहों की विलक्षण पोषाकों का एक लक्ष्य भक्त मण्डली हेतु भगवद दर्शन को एक प्रेरणादायी अनुभव बनाना है। पोशाक निर्माता एवं और पुजारीगण जो वेदी पर भगवान की पोशाक का संचालन करते हैं, मंदिर में एक उपयुक्त मनोभाव का दर्शन करवाने में मदद करते हैं जिसका भगवान एवं भक्तों द्वारा रसास्वादन किया जाता है। इस वर्ष मंगला–आरती पोशाक की सबसे विशिष्ट विशेषता 100% असली रेशम और शुद्ध सोने तथा चाँदी की जरी, 65% चांदी और 0.65% मूल सोने का उपयोग किया गया है। मुंबई में पूरी ड्रेस को तैयार करने में 2 महीने लगे। इस तरह के दर्पण की कारीगरी हेतु विशेष रूप से गुजरात से लॉक डाउन के दौरान कारीगरों को बुलाया गया था। यह रेशमी पोशाकों पर सोने और चाँदी की जरी के साथ–साथ किया जाने वाला अनूठा दर्पण का काम है जो गुजरात में बहुत प्रसिद्ध है।

जन्माष्टमी को नए रूप में सामान्य तरीके से मनाते हुए (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

कृष्ण की बाल लीलायें सभी के लिए प्रसन्नता का स्रोत हैं। सर्वोच्च विपरीत परिस्थितियों में भी, वे सदा वृंदावन वासियों की प्रसन्नता का रास्ता निकाल ही लेते थे। भक्तों के कठिन समय में भी उनके मुख पर आशा और प्रसन्नता बिखेर देने वाले भगवान को उनके भक्त, उनके जन्मदिन पर कभी भी ऊब या दुख में नहीं छोड़ सकते तो, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आनंद और आशीर्वाद वितरित करने हेतु, भक्तों के बीच इस परम प्रिय त्योहार का एक डिजिटल उत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम इस प्रकार रहा –

क) श्री कृष्ण पुस्तक प्रतियोगिता :

पूरे भारत के कई शहरों के साथ–साथ बाहर से भी लगभग 169 लोगों ने लाइव प्रतियोगिता में भाग लिया।

Bringing out the creative best in children
(12th Aug)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Krishna's childhood comes alive in the playful gaggles of young children. With that in mind, several competitions were organised to help them celebrate the spirit of Janmashtami.

The competitions were:

- Vaishnava Song
- Shloka Recitation
- Story/Rhyme/Poem Telling Competition

There was enthusiastic participation of more than 500 children both from ISKCON Punjabi Bagh's Sunday school and outside.

Offering the sacrifice of 5 million holy names
(12th Aug)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

With COVID restrictions this year and absence of usual Janmashtami organizational services, ISKCON Punjabi Bagh Youth decided to celebrate Janmashtami in a different way. The entire IYF offered more than 5 million Holy names to their Lordships on this auspicious occasion of Janmashtami. The event enabled them to be fully absorbed in holy names and drowning in the ocean of transcendental bliss.

Appearance Day of Srila Prabhupada (13th August)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Prabhupada, the Founder Acharya of ISKCON is counted among the most influential sages of the modern era. His mission of spreading Krishna consciousness took the world by a storm. The exponential growth of ISKCON in all continents is a testimony of Prabhupada's genuine goal of presenting the principles of Krishna bhakti and making it available to all living entities, irrespective of caste, colour, race and nationality. It is by His will alone that Hare Krishnas are commonly and widely known all across the globe. From governments to common men, all acknowledge the social welfare work undertaken by this organisation. ISKCON has become synonymous with spiritual education and upliftment of consciousness. This has been possible only because of the

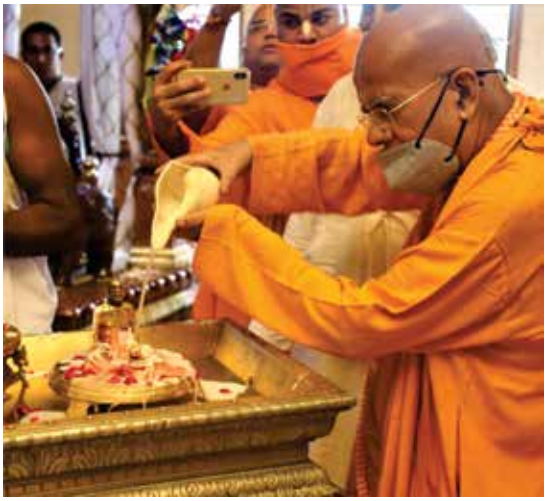

ख) ऑनलाइन नाटक प्रतियोगिता :

भक्तिवृक्ष समूहों और अध्ययन समूहों के विभिन्न भक्तों ने अपनी पसंद की कृष्ण–लीला पर एक 20 से 25 मिनट का नाटक प्रस्तुत किया।

ग) घर में वृंदावन

श्रील प्रभुपाद ने कहा है, 'मेरे सभी मंदिर वृंदावन से अभिन्न हैं'। उसी भाव को आगे बढ़ाते हुए, इस्कॉन पंजाबी बाग भक्त मण्डली ने प्रत्येक भक्त को अपने घर को वृंदावन बनाने का निर्णय लिया। भक्तों ने अपने घर की वेदियों और आस–पास के क्षेत्रों को सजाया और तस्वीरों को टेलीग्राम पर साझा किया।

बच्चों में सर्वश्रेष्ठ रचनात्मकता लाना (12 अगस्त)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

छोटे बच्चों की चंचल खिलखिलाहट में ही कृष्ण की मधुर बाल लीलायें सजीव हो उठती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, उन्हें जन्माष्टमी के भाव में उत्सव मनाने हेतु मदद करने को कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताएं थीं :–

- वैष्णव गीत
- श्लोका पाठ
- गीत / कहानी / कविता कहने की प्रतियोगिता

इस्कॉन पंजाबी बाग के संडे स्कूल और बाहरी दौनों से 500 से अधिक बच्चों की उत्साही भागीदारी रही।

50 लाख पवित्र हरिनाम का यज्ञ
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस वर्ष COVID-19 प्रतिबंधों एवं जन्माष्टमी संगठन की सामान्य सेवाओं की अनुपस्थिति के कारण, इस्कॉन पंजाबी बाग युवाओं ने जन्माष्टमी को एक अलग ढंग से मनाने का निर्णय किया। पूरे IYF ने जन्माष्टमी के इस शुभ अवसर पर अपने परम भगवान को 50 लाख से अधिक पवित्र हरिनाम यज्ञ का समर्पण किया। इस कार्यक्रम ने उन्हें पूर्णरूप से पवित्र नामों में समाहित कर दिव्य आनंद के सागर में गोते लगाने को बाध्य कर दिया।

श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (13 अगस्त)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद को आधुनिक युग के सबसे प्रभावशाली संतों में गिना जाता है। कृष्ण चेतना वितरित करने के उनके मिशन ने दुनिया में एक तूफान ला दिया। सभी महाद्वीपों में इस्कॉन की गुणोत्तर वृद्धि, श्रील प्रभुपाद के वास्तविक लक्ष्य, कृष्ण भक्ति के सिद्धांतों को सभी जीवात्माओं हेतु बिना किसी जाति, रंग, नस्ल और राष्ट्रीयता के भेदभाव के प्रस्तुत करने का प्रमाण है। यह अकेले उनकी इच्छा शक्ति है कि हरे कृष्ण वाले आमतौर पर और दुनिया भर में व्यापक रूप से जाने जाते हैं। सरकारों से लेकर आम आदमी तक, सभी इस संगठन द्वारा किए गए सामाजिक कल्याण कार्यों को स्वीकार करते हैं। इस्कॉन आध्यात्मिक शिक्षा और

vision and teachings of A.C Bhaktivedanta Swami Srila Prabhupada. Prabhupada founded this society of Krishna devotees on the sound and sturdy foundation of scriptural knowledge and supported it with a lifestyle defined by Vedic culture.

Prabhupada's contribution was remembered on the glorious occasion of his appearance day. The disciples reminisced his association, narrating anecdotes full of love and instructions. An abhishek and pushpanjali were performed in the Temple Hall, amidst kirtan and followed by bhoga offering and feast. The glorification ceremony was spearheaded by His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, who remembered how Prabhupada gave us everything in his books. Other senior devotees also recounted various pastimes. The program was transmitted live for the benefit of those who stayed at home due to Covid 19. The evening session was also attended by senior devotees and was watched online by all others.

Spirituality for modern youth (22nd August, 2020) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Youth Forum, Dwarka in its continuous endeavour to educate modern youth organized a session on "Spirituality for Modern Youth". The program was facilitated by H.G. Amogh Lila Prabhu, Vice president ISKCON Dwarka, Motivational Speaker, Spiritual Mentor, Guest faculty in IIMs & IITs. The seminar was held online followed by Q&A. To make the seminar more interactive, a quiz was organized at end of the session.

Radhashtami (26th August) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Srimati Radharani is the Lord's hladini shakti, His pleasure potency. She exemplifies devotion in its purest form. She is the shelter of those who aspire to serve the Lord. As the

चेतना के उत्थान का पर्याय बन चुका है। ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद के दर्शन और शिक्षाओं के कारण ही यह संभव हो सका है। प्रभुपाद ने कृष्ण भक्तों के इस समाज की स्थापना, मजबूत एवं प्रबल शास्त्र ज्ञान के आधार पर की और वैदिक संस्कृति द्वारा परिभाषित जीवन शैली से इसको समर्थ भी किया।

प्रभुपाद के योगदान को उनके प्राकट्य दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर याद किया गया। उनके निर्देशों से आव्रत तथा प्रेम से परिपूर्ण किस्सों को सुनाते हुए, शिष्यों ने उनके संग का स्मरण किया। कीर्तन के बीच मंदिर हॉल में अभिषेक और पुष्पांजलि की गई तदोप्रांत भोगार्पण एवं भोज प्रसादम किया गया। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा महिमा गायन समारोह का नेतृत्व किया गया, जिन्होंने स्मरण किया कि कैसे प्रभुपाद ने हमें अपनी पुस्तकों में सब कुछ दे दिया है। अन्य वरिष्ठ भक्तों ने भी विभिन्न लीलाओं का स्मरण किया। कार्यक्रम का उन लोगों के लाभ हेतु सजीव प्रसारण किया गया था जो कोविड–19 के कारण घर पर ही थे। कार्यक्रम के संध्या–कालीन सत्र में वरिष्ठ भक्त भी शामिल रहे एवं अन्य सभी लोगों द्वारा ऑनलाइन देखा गया।

आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता, (22 अगस्त, 2020) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन युवा मंच, द्वारका ने आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने के अपने सतत प्रयास में 'आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता' पर एक सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, उपाध्यक्ष इस्कॉन द्वारका मंदिर, प्रेरक वक्ता, आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक, आईआईएम और आईआईटी में अतिथि संकाय शिक्षक के द्वारा किया गया। ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजनोपरांत जिज्ञासाओं के उत्तर दिये गए। संगोष्ठी को और अधिक परस्पर संवादात्मक बनाने हेतु, सत्र के अंत में एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

राधाष्टमी (26 अगस्त) (इस्कॉन–दिल्ली–एनसीआर के सभी मंदिर)

श्रीमति राधारानी भगवान की आह्लादिनी शक्ती हैं, वे उनकी प्रसन्नता की शक्ति है। वह शुद्धतम रूप में भक्ति का अनुकरण करती है। वे उन भक्तों का आश्रय हैं जो प्रभु सेवा की आकांक्षा रखते हैं। वे एक शीर्ष भक्त के रूप में सेवा, मनोभाव और कृष्ण सेवा के प्रति दृष्टिकोण के मानकों को स्थापित करती हैं। आध्यात्मिक मार्ग पर उन्नति हेतु भक्तगण उनके कृपाकांक्षी होते हैं।

श्रीमति राधारानी का प्राकट्य गौड़ीय सम्प्रदाय में बहुत उत्साह के

topmost devotee, she establishes the standards of service, mood and attitude towards serving Krishna. Devotees seek her favour in order to advance on the spiritual path.

The appearance of Srimati Radharani is celebrated with much enthusiasm in the Gaudiya Sampradaya. There was an elaborate abhishek amidst kirtan and chanting, held in the temple hall, following all safety protocols. This was followed by a feast. The devotees prayed to Her to bless them because without Her recommendation, it is impossible to please the Lord.

Vamana Dwadashi (30th August) (ISKCON, East of Kailash)

The Lord had promised Vrsni and Sutapa that he shall appear as their son three times, in different milleniums. As Rishi Kashyap and Aditi, the couple were honoured by the Supreme Lord as their son Vamanadeva, the second time. The dwarf Brahmin stole everyone's heart, appearing like a thousand suns, in the yajnashala of Maharaja Bali. Asking him for three steps was His transcendental plan to subjugate Bali and show favour to one of the twelve Mahajanas. The appearance of the Lord as Vamanadeva imparts the instruction of surrender, pridelessness and devotion.

On the occasion of Vamana Dwadashi, devotees glorified this pastime, remembering the Lord and His instructions. There was a ceremonious abhishek amidst kirtan, followed by a feast. Devotees read the pastime from the eighth canto of the Srimad Bhagavatam, to refresh the instructive behaviour of the Mahajana and the glories of the Lord.

Appearance of Srila Jiva Goswami (30th August) (ISKCON, East of Kailash)

The appearance of Srila Jiva Goswami, one of the six Goswamis of Vrindavana was celebrated with pushpanjali and kirtan. Jiva Goswami headed the Gaudiya Vaishnava

साथ मनाया जाता है। सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, मंदिर के हॉल में, कीर्तन और जप के मध्य एक विस्तृत अभिषेक किया गया। तत्पश्चात भोज प्रसादम हुआ। भक्तों ने उनसे उनके आशीर्वाद हेतु प्रार्थना की क्योंकि, उनकी कृपा के बिना, प्रभु को प्रसन्न करना असंभव है।

वामन द्वादशी (30 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान ने वृष्णि और सुतपा को वचन दिया था कि वह तीन बार अलग–अलग युगों में उनके पुत्र रूप में प्रकट होंगे। ऋषि कश्यप और अदिति के रूप में इस दंपति को परम भगवान ने उनके पुत्र वामनदेव के रूप में दूसरी बार आकर सम्मानित किया। भगवान वामन देव ने महाराज बली की यज्ञशाला में हजार पुत्रों की तरह प्रकट होकर सभी का हृदय चुरा लिया। बारह महाजनों में से एक महाराज बलि महाराज से तीन पग भूमि हेतु आग्रह, उनको वश में करने तथा उन पर अपनी विशेष कृपा को दिखाने हेतु यह भगवान की दिव्य योजना थी। वामनदेव के रूप में भगवान का स्वरूप दंभ रहित, समर्पण एवं भक्ति की शिक्षा देता है।

वामन द्वादशी के अवसर पर, भक्तों ने प्रभु और उनके निर्देशों को याद करते हुए, इस लीला का महिमा गायन किया। कीर्तन के बीच एक समारोह में अभिषेक हुआ, उसके बाद भोज हुआ। भक्तों ने श्रीमद्भागवतम् के आठवें सर्ग से लीला अध्यन किया, महाजनों के शिक्षाप्रद व्यवहार और भगवद महिमा का समरण किया।

श्रील जीव गोस्वामी का प्राकट्य दिवस (30 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

वृंदावन के षड गोस्वामियों में से एक, श्रील जीव गोस्वामी का प्राकट्य दिवस पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया। अन्य गोस्वामियों के धाम गमनोंपरांत जीव गोस्वामी ने गौड़ीय वैष्णव सम्प्रदाय का नेतृत्व किया। आधुनिक युग में सभी सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए उन्होंने संप्रदाय की शुरुआत की। वह एक युगांतकारी विद्वान थे, जो वैष्णववाद के अनुयायियों हेतु मार्गदर्शक ज्योति स्वरूप साहित्य की कई कृतियाँ छोड़ गए हैं। वह एक दिग्गज पुस्तक वितरक थे, बाद में इसी परंपरा का श्रील प्रभुपाद और उनके अनुयायियों ने साथ मिलकर अनुशरण किया। वैष्णववाद और भक्ति–पंथ के प्रसार में उनके योगदान हेतु उनका स्मरण एवं महिमा मंडन किया गया। भक्तों ने उनकी स्तुति गाई, उन्हें गौरवान्वित किया और सबको उनकी शिक्षाओं का स्मरण कराया जो वैष्णव दर्शन के सिद्धांतों में महीनता से बुनी गई हैं।

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का प्राकट्य दिवस (31 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

ब्रिटिश शासन काल में, जब राजनीति के साथ ही देश का आध्यात्मिक वातावरण भी पाश्चात्य देशों से प्रभावित था, तब श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने वैष्णववाद को पुनः सजीव करने हेतु एक मिशन पर कार्य किया। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त होकर वे अपनी बुद्धि और गहन आध्यात्मिक चरित्र हेतु प्रशंसा के पात्र बने। अपनी दक्षता और संव्यवसायिक क्षमता हेतु वे अंग्रेजों के मध्य जाने जाते थे, जो इतनी अद्वितीय थी कि अंग्रेजों को उनके सद्रश उचित प्रतिस्थापन न मिलने की स्तिथि में वे उन्हें सेवानिवृत्त करने में भी हिचकिचा रहे थे। भक्तिविनोद ठाकुर वैष्णवों को आदर्श गृहस्थ,

Sampradaya, after the other Goswamis had left the planet. He ushered the sampradaya into the modern age, with all principles intact. He was an erudite scholar, who left many pieces of literature, as the guiding lamp for the followers of Vaishnavism. He was a stalwart book distributor, a tradition followed closely by Srila Prabhupada and his followers. He was remembered and glorified for his contribution in spreading Vaishnavism and the cult of bhakti. Devotees sang his praise, glorified him and reminded themselves of his teachings which are close knit with the tenets of Vaishnava philosophy.

Appearance of Srila Bhaktivinoda Thakura

(31st August)
(ISKCON, East of Kailash)

During the British Rule, when the political as well as the spiritual environment of the country was influenced by the Westerners, Srila Bhaktivinoda Thakura set out on a mission to resurrect Vaishnavism. Deputed as District Magistrate, he earned appreciation for his intellect and deeply spiritual character. He was known among the British for his efficiency and professional capability which was unparalleled. So much so that the British were hesitant of relieving him of his duties, in want for a befitting replacement. Thakura Bhaktivinoda continues to inspire Vaishnavas as the ideal grihastha, teacher and professional. His life mirrors his teachings which are a beacon of light for those who wish to strike the perfect balance.

His appearance was celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification. Devotees pray for his mercy and favour. His bhajans resonated in the temple hall as reminders of perfect attitude in devotional life.

Sadhu Sanga over Internet continues

(ISKCON, East of Kailash)

With the spread of the virus, the desire to delve deeper into spiritual matters has also spread among the devotee community. Using the facility of the internet, devotees continue to interact, discuss and deliberate over matters of spiritual significance, through the lens of scriptures. Meeting in various sessions, devotees have been using the time and space available, to study the shastras, attain greater clarity of matters discussed in them and seeking advanced as well as peer association. The time of the pandemic has been turned into an opportunity to make up for all those spiritual activities that could not be undertaken due to the paucity of time. While the world suffers and people yearn for a shelter, the devotees lead the way by exemplifying how one must turn to Krishna in times of distress and must remain well ensconced at His lotus feet. The Namahatta Sunday Program continues with the series on nava-vidha bhakti, the nine limbs of devotional service. Senior devotees from all across the country are lecturing on these topics, offering guidance and aid to each other as well as other enthusiasts. The Saturday Sessions conducted by the Namahatta continues to enlighten people on matters of everyday life, providing them the spiritual perspective. People are amazed to know how spirituality can improve their quality of life as well as facilitate their movement towards perfecting their human existence.

शिक्षक और व्यवसायिक के रूप में प्रेरित करते रहे थे। उनका जीवन उनकी शिक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है और उन लोगों हेतु आशा की किरण हैं जो सही संतुलन बनाए रखना चाहते हैं।

उनके प्राकट्य दिवस को पुष्पांजलि, कीर्तन और महिमा–मंडन के साथ मनाया गया। भक्तों ने उनकी दया एवं कृपा हेतु याचना की। उनके भजन भक्तिमय जीवन में सही दृष्टिकोण के अनुस्मारक स्वरूप में मंदिर हॉल में गुंजायमान हुए।

इंटरनेट पर साधु संग जारी है

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

वायरस के प्रसार के साथ ही आध्यात्मिक मामलों में गहराई से रमने की इच्छा भी भक्त समुदाय के बीच फैल रही है। इंटरनेट की सुविधा का उपयोग करते हुए, भक्तों ने शास्त्रों के दृष्टिकोण से आध्यात्मिक महत्व के मामलों पर बातचीत, चर्चा और विचार–विमर्श जारी रखा है। शास्त्रों के अध्ययन हेतु, विभिन्न सत्रों में बैठकें कर, उनमें चर्चा किए गए विषयों की अधिक स्पष्टता प्राप्त करते हुए, भक्तगण उपलब्ध समय और स्थान के उपयोग के साथ–साथ ही उन्नत भक्तों का संग प्राप्त कर रहे हैं। महामारी के समय ने उन सभी को आध्यात्मिक गतिविधियों हेतु एक अवसर के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है, जो समय की कमी के कारण नहीं हो पा रहीं थीं।

जबकि दुनिया पीड़ित है और लोग एक अदद आश्रय को तरस रहे हैं, ऐसे में भक्तगण स्वयं के उदाहरण से सभी का मार्ग प्रशस्त करते हैं कि संकट में किस प्रकार कृष्ण की ओर मुड़कर उनके चरण कमलों में ही विराजमान हो आश्रय ग्रहण करना चाहिए। नामहट्ट रविवारीय कार्यक्रम में भक्ति के नौ अंगों (नवधा भक्ति) पर श्रृंखला जारी है। देश भर के वरिष्ठ भक्त इन विषयों पर व्याख्यान दे रहे हैं, एक–दूसरे के साथ ही, कई अन्य उत्साही लोगों को मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान कर रहे हैं। नामहट्ट द्वारा आयोजित शनिवारीय सत्र में लोगों को दैनिक जीवन के कार्यों पर प्रबुद्ध करना तथा उन्हें आध्यात्मिक दृष्टिकोण प्रदान करना जारी है। लोग यह जानकर आश्चर्यचकित हैं कि आध्यात्मिकता उनके जीवन स्तर को किस प्रकार श्रेष्ठ बना रही है एवं साथ ही उनके मानव अस्तित्व को परिपूर्ण करने की दिशा में उनके आंदोलन को भी सुगम बनाती है।

Upcoming events:

Disappearance of Srila Haridasa Thakura (1st September) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Haridasa Thakura is one of the greatest acharyas of the Gaudiya Sampradaya. Also known as the Namacharya, he chanted one hundred and ninety-two rounds, daily. His attachment to the holy name makes him an exemplary devo tee who instructs us to develop a similar mood. The holy name is the ticket to Godhead, it is the only way to earn the favour of Guru, the entire parampara and Krishna Himself. As the Lord's name is non-different from the Lord, this process helps us re-establish our lost connection with the Lord. Srila Haridasa Thakura's appearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Devotees remember the acharya's teachings of making service and chanting our life and soul. He also exemplified how a devotee is ideal in practice and preaching: achaar and prachaar.

Bhadra Purnima (2nd September) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Bhagavatam as the literary incarnation of the Lord Himself, is the primary source of relief in the age of Kali. Suffering from the pangs of material onslaught, the men and women of Kaliyuga can find shelter of the Lord in the form of this scripture. As the summum bonum of the Vedic literature, Sri Veda Vyasa has filled it to the brim with nectar of the Lord's pastimes which are sweet like sugar candy and instruct for perfecting human birth. The last canto of Srimad Bhagavatam, canto 12 is all about the glories of the Bhagavatam. 12.13.13 mentions

prauṣṭhapadyāṁ paurṇamāsyāṁ
hema-siṁha-samanvitam
dadāti yo bhāgavataṁ
sa yāti paramāṁ gatim

If on the full moon day of the month of Bh dra, one places Śrīmad-Bhāgavatam on a golden throne and gives it as a gift, he will attain the supreme transcendental destination.

Thus, ISKCON leads the distribution of Bhagavatam sets on this potent day of Bhadra Purnima. Devotees gear up to take up the opportunity to bring this blessing to the doorsteps of people. Easy payment options and EMIs aim to encourage the distribution, even in these times of financial crisis.

Third month of Caturmasya Begins (3rd September)

The third month of Caturmasya, fasting from milk, will begin from 3rd September.

आगामी कार्यक्रम

श्रील हरिदास ठाकुर का तिरोभाव दिवस (1 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील हरिदास ठाकुर गौड़ीय सम्प्रदाय के महानतम आचार्यों में से एक हैं जिन्हें, नामाचार्य के रूप में भी जाना जाता है। वे प्रतिदिन एक सौ बानवे मालाओं का जाप करते थे। पवित्र हरिनाम से उनकी आसक्ति ने उन्हें एक ऐसा अनुकरणीय भक्त बनाया जो हमें भी उसी तरह की मनोदशा विकसित करने का निर्देश देते हैं। पवित्र हरिनाम ही भगवद धाम का टिकट है, यह श्री गुरुदेव, संपूर्ण गुरु–परम्परा एवं स्वयं श्रीकृष्ण को अपने पक्ष में लाने का एकमात्र तरीका है। चूँकि प्रभु का नाम प्रभु से अभिन्न है अतः यह प्रक्रिया हमें प्रभु के साथ हमारे लुप्त संबंध को पुनः स्थापित करने में मदद करती है। श्रील हरिदास ठाकुर का अभिर्भाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। भक्तों ने नामाचार्य जी की ष्सेवा तथा हरिनाम जापष् को ही अपना जीवन एवं प्राण मानने की शिक्षाओं को याद किया। स्वयं के उदाहरण से उन्होंने यह भी दर्शाया कि किस प्रकार एक भक्त आचार एवं व्यवहार (आचार एवं प्रचार) में आदर्श होता है।

भद्र पूर्णिमा (2 सितंबर) (इस्कॉन, दिल्ली–एनसीआर के सभी मंदिर)

स्वयं भगवान के ही साहित्यिक अवतार स्वरूप श्रीमद भागवतम, कलयुग में राहत का प्राथमिक स्रोत है। भौतिक वेदना की पीड़ाओं से पीड़ित, कलियुग के स्त्री एवं पुरुष इस शास्त्र के रूप में भगवान का आश्रय पा सकते हैं। श्री वेद व्यासजी ने इसे वैदिक साहित्य के सारांश के रूप में, भगवान् की लीलाओं के अमृत से आकंठ भरा है, जो कि मिश्री की भाँति मीठा है और मानव जन्म को सिद्ध करने की शिक्षा देता है। श्रीमद भागवतम के अंतिम सर्ग, सर्ग–12 में भागवतम् की महिमा के विषय में बताया गया है। 12.13.13 में उल्लेख है

प्रौष्ठपद्यां पौर्णमास्यां हेमसिंहसमन्वितम्।
ददाति यो भागवतं स याति परमां गतिम्।।

यदि भाद्रपद की पूर्णिमा के दिन कोई श्रीमद भागवतम को एक स्वर्ण सिंहासन पर स्थापित कर इसे एक उपहार के रूप में देता है, तो वह श्री भगवान् के परम धाम को प्राप्त करेगा।

अतः, इस्कॉन भद्र पूर्णिमा के इस परम प्रभावशाली दिवस पर श्रीमद भागवतम सेट का वितरण करता है। भक्तगण इस आशीर्वाद को लोगों के द्वार तक पहुँचाने हेतु कमर कस चुके हैं। भुगतान के आसान विकल्प एवं ईएमआई का लक्ष्य, इस वित्तीय संकट के समय में भी पुस्तक वितरण को प्रोत्साहित करना है।

चातुर्मास्य का तीसरा महीना प्रारम्भ (3 सितंबर)

दूध से व्रत रखने वाला चातुर्मास्य का तीसरा महीना 3 सितंबर से शुरू होगा।

Who is SHRI HARIDASA THAKURA?

As Prahlada Maharaja appeared in a family of demons and Hanuman appeared as a monkey, Shri Haridasa Thakura appeared amongst the lower caste. Haridasa had a handsome form with all aristocratic features. Highly intellectual, he won all the debates in Sanskrit and philosophy. Yet, he never lost his temper. In his youth, he became famous for his extreme devotion and ascetism. Though born in a Muslim family, when he became a Vaishnava, even brahmanas would eagerly smear their bodies with the dust of his feet.

Navadwipa was full of gross materialists and Kali worshipers guided by smarta brahmanas before Mahaprabhu began His sankirtana movement. The smartas forbid loud chanting by the Vaishnavas on the plea that "it might awaken Lord Vishnu, who would become angry and curse Navadwipa with a famine." But it was Haridasa's habit to loudly chant Hare Krishna while wandering along the Ganges bank. Every day before taking his one and only meal, he would finish 192 rounds (300,000 Holy Names of Krishna).

Feeling threatened by Haridasa Thakura's conversion to Vaishnavism, the Muslim ruler arrested him. To enlighten the Kazi, Haridasa said, "All living entities in creation are inspired by the Lord in the heart to act in different ways. People of different religions praise the Lord's Holy Names and qualities according to the view of their scriptures. The Supreme Lord accepts everyone's mood. If anyone shows malice towards another's religion, he actually shows malice to the Lord Himself, who is worshiped by that religion. Since God is one, that person becomes envious of the same Supreme Lord that he himself is worshiping."

The governor grasped these words, but the Kazi (the local ruler) insisted that Haridasa make a choice: "Either give up your belief or die."

Haridasa replied firmly, "If my body is hacked to pieces and even if I am killed–still I will keep chanting Hare Krishna."

The infuriated Kazi ordered Haridasa Thakura publicly whipped to death. He was brutally beaten, dragged through twenty-two markets, and thrown in the Ganges. Absorbed in remembering Lord Hari, he miraculously survived by God's grace. The Kazi, the brahmanas, and his rivals ran to Haridasa. They gave Haridasa Thakura an enthusiastic welcome and begged forgiveness for their offenses. He forgave them and blessed them with devotion. Haridasa thought the ordeal was a fit punishment for his having heard Vaisnava blasphemy from the mouth of the Kazi.

Haridasa Thakura exerted immense influence from the start of Shri Chaitanya's sankirtana movement. Teaming up with Lord Nityananda, he spread Krishna consciousness in Bengal. When Haridasa Thakura came to Jagannatha Puri Lord Chaitanya gave him a room in the garden next to His. Every day the Lord sent Prasadam to Haridasa. They also met regularly to discuss Krishna-katha.

While seeing Lord Chaitanya's lotus face, holding His feet upon his chest, and chanting Shri Krishna Chaitanya, Haridasa left the world. Lord Chaitanya personally carried the body of Haridasa to the sea. And with His own hands buried him in the sand. Then Mahaprabhu begged alms for a festival to honor Haridasa Thakura's departure.

The samadhi of Haridasa Thakura is located by the sea in Jagannatha Puri.

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR
New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- **Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120**
- **For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623**
- **For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.**
- **For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.**
- **For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.**
- **For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059**
- **For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666**

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwaka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**